वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 15 | शुक्रवार 10 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल सलाहकार मण्डल की बैठक में प्रदेश के सर्वांगीण विकास के आए महत्वपूर्ण सुझाव

राज्यपाल ने कहा, संतुलित और सतत विकास के लिए सभी मिलकर कार्य करें।
राज्य का सतत और दीर्घकालीन विकास बने प्राथमिकता: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य के संतुलित और सतत विकास के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने सर्वांगीण विकास के अंतर्गत आदिवासी कल्याण, शिक्षा, कृषि, पर्यटन, उद्योग आदि क्षेत्रों में सुनियोजित योजनाओं के जरिए दीर्घकालीन विकास को ध्यान में रखते हुए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी (सीएसआर) के तहत राज्य के विकास से जुड़े प्रभावी कार्य हाथ में लेकर उनके क्रियान्वयन की भी आवश्यकता जताई। राज्यपाल मिश्र गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल सलाहकार मण्डल की बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्यपाल सलाहकार मंडल के अंतर्गत विषय विशेषज्ञों के सुझाव आमंत्रित कर उनके आधार पर प्रदेश के सतत, स्थायी और चहुंमुखी विकास के लिए कार्य किए जाने की पहल की गई है। विभिन्न क्षेत्रों में पूर्व की बैठकों में आए सुझावों के विश्वविद्यालयी शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में लागू करने से सकारात्मक परिणाम भी आए हैं। उन्होंने बैठक में राजस्थान में उपलब्ध संसाधनों का समुचित दोहन कर प्रदेश के युगानुकुल विकास के लिए कार्य किए जाने, उद्यमिता विकास के लिए प्रयास बढ़ाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि राजभवन स्तर पर राज्यपाल राहत कोष के पुनर्गठन, जनजातीय क्षेत्रों के प्रभावी विकास, आदिवासी क्षेत्रों के टिकाऊ विकास से जुड़े मुद्दों की मॉनिटरिंग के लिए राजभवन स्तर पर जनजातीय एकक की स्थापना की गई है। राजभवन में देश का पहला संविधान उद्यान निर्मित किया गया है। राज्य सलाहकार समिति के सदस्यों ने बैठक में वनस्थली विद्यापीठ की तर्ज पर आदिवासी क्षेत्र में महिला विश्वविद्यालय की स्थापना किए जाने का भी विशेष रूप से सुझाव दिया। स्वास्थ्य क्षेत्र के अंतर्गत पब्लिक हेल्थ कैडर बनाने और शिशु और मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए व्यावहारिक प्रयास किए जाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के इस्तेमाल और आयुष्मान भारत के समेकित क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। इसी तरह आदिवासी क्षेत्रों में ग्राम न्यायालयों की अधिकाधिक स्थापना, राजस्व मामलों में त्वरित न्याय पद्धति के विकास और ट्राइबल क्षेत्रों के लिए हाईकोर्ट बेंच स्थापित किए जाने का राजभवन स्तर पर प्रस्ताव भिजवाए जाने का भी सुझाव आया। उच्च और तकनीकी शिक्षा के अंतर्गत प्रशिक्षित मानव संसाधन के लिए उद्योग-एकेडमिया लिंक स्थापित करने, वित्तीय साक्षरता पर कार्य करने और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम विकसित करते हुए पूरी तरह से ई गवर्नेंस लागू करने के महती सुझाव दिए गए। राज्य सलाहकार मंडल ने राज्य के आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के लिए समन्वित प्रयास किए जाने, राजस्थान से बाहर के राज्यों के लघु और मध्यम, सूक्ष्म लघु उद्योगों की राज्य में स्थापना, उद्यमिता को केंद्र में रखकर कार्य करने और उद्यमिता प्रोत्साहन के लिए विभिन्न स्तरों पर कदम उठाए जाने पर भी जोर दिया। बैठक में टीएमआई समूह के चेयरमैन टी. मुरलीधरन, एचआरएच ग्रुप के निदेशक लक्ष्यराज सिंह मेवाड़,वरिष्ठ अधिवक्ता आर. एन. माथुर, अर्थशास्त्री डॉ. मनोरंजन शर्मा, शिक्षाविद प्रो. एके गहलोत और डा. विश्वपति त्रिवेदी ने विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए अपने सुझाव दिए।

विधि एवं विधिक कार्य विभाग के न्यायिक अधिकारियों के हुए स्थानांतरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

शासन सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में गुरुवार को विधि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा स्थानांतरण होने वाले अधिकारियों को भावपूर्ण विदाई दी गई। इस मौके पर न्यायिक अधिकारी श्रीमती अल्का गुप्ता, योगेश कुमार शर्मा, आशुतोष कुमावत एवं कर्मचारीगण सुरेश कुमार वर्मा, श्रीमती सोनिया मुखीजा, आनन्द माथुर, श्रीयशवंत चतुर्वेदी, प्रदीप कुमार कुलदीप एवं विधि विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा उनका माल्यार्पण कर गुलदस्ता, साफा एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर समस्त न्यायिक अधिकारियों ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किये।

इन अधिकारियों के हुए स्थानांतरण

1. ज्ञान प्रकाश गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव, विधि विभाग
2. अनुपमा राजीव बिजलानी विधि विभाग
3. तनवीर चौधरी, विशिष्ट शासन सचिव, विधि
4. हिमांकनी गौड, विशिष्ट शासन सचिव, वादकरण
5. गिरिजेश ओझा, विशिष्ट शासन सचिव, विधि रचना संगठन।

जिसको मिल जाए गुरू का आशीर्वाद उसका जीवन हो जाता सार्थक

शांति भवन में साध्वी मण्डल के सानिध्य में मंगल प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। किसी भी शिष्य का जीवन संवर जाता है जब उसे गुरू का आशीर्वाद प्राप्त हो जाता है। गुरू का मार्गदर्शन ही हमे जीवन जीने की राह बताता है ओर हमे हर चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करने की प्रेरणा देता है। जिनवाणी हमे गुरू के समान मार्गदर्शन देती है। जिनवाणी को श्रवण कर हम अपने जीवन में सद्गुणों को अपना सकते है। ये विचार बुधवार को शांतिभवन में आयोजित प्रवचन में प्रखर वक्ता साध्वी मणिप्रभाजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमे अपने गुरू के प्रति समर्पित रहकर उसके सिद्धांतों व आर्दशों को अपने जीवन में अंगीकार करना चाहिए। स्वर कोकिला डॉ. चिंतनश्रीजी म.सा. ने कहा कि पुण्योदय होने पर ही किसी को जिनवाणी श्रवण करने का अवसर मिलता है। जो इस अवसर का लाभ उठा लेता है उसका जीवन सार्थक हो जाता है। अक्षय तृतीया जैसे पर्व जीवन को पावन व निर्मल बनाने का अवसर है। प्रवचन में यशोदीप्ति मधुकंवरजी म.सा. एवं साध्वी सुमनप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। धर्मसभा का संचालन शांतिभवन श्रीसंघ के मंत्री सुशील चपलोत ने किया। उन्होंने बताया कि गुरूवार को सुबह 9 बजे से प्रवचन शांतिभवन सिद्धांतशाला में होंगे। तपस्वी अनुमोदना में दोपहर 2 बजे चौबीसी का आयोजन हेमंतजी-उमाजी आंचलिया परिवार की तरफ से रहेगा। प्रवचन के बाद शांतिभवन में दिनभर पूज्य महासाध्वी पारसकंवरजी म.सा. आदि ठाणा, उप प्रवर्तिनी पूज्य महासाध्वी मैनाकंवरजी म.सा. आदि ठाणा, पूज्य महासाध्वी मधुकंवरजी म.सा. आदि ठाणा, पूज्य महासाध्वी मणिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन-वंदन एवं धर्मलाभ पाने के लिए श्रावक-श्राविकाएं पहुंचते रहे।

वरघोड़े के साथ होगा वर्षीतप पारणा महोत्सव का आगाज

श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिभवन के तत्वावधान में अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव का आगाज 10 मई शुक्रवार सुबह 6.15 बजे राजेन्द्र मार्ग रोड स्थित लक्ष्मी पैलेस से वर्षीतप आराधक तपस्वियों के सम्मान में श्रीसंघ द्वारा वरघोड़ा निकाले जाने के साथ होगी। वरघोड़े में वर्षीतप आराधक तपस्वी श्रावक-श्राविका बग्गी में सवार रहेंगे। वरघोड़ा स्टेशन चौराहा, सदर बाजार, गोल प्याउ होते हुए शांतिभवन पहुंच सम्पन्न होंगा। वरघोड़े में शांतिभवन श्रीसंघ एवं सभी स्थानीय उपसंघों के श्रावक-श्राविकाओं, महिला मण्डल एवं युवक मण्डल के सदस्यों से शामिल होने का आग्रह किया गया है। वरघोड़ा समापन पर शांति भवन में सुबह 7.15 बजे से नवकारसी का आयोजन होगा।

तपस्वियों के पारणे से पहले होगा प्रवचन एवं बहुमान

अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव के तहत शुक्रवार सुबह 9 बजे से शांतिभवन के मोदी हॉल में प्रवचन होंगे। प्रवचन में शासन प्रभाविका राजस्थान प्रवर्तिनी साध्वी शिरोमणी पूज्य यशकंवरजी म.सा. की सुशिष्या सेवाभावी महासाध्वी पारसकंवरजी म.सा., उप प्रवर्तिनी साध्वी मैनाकंवरजी म.सा., महासाध्वी मधुकंवरजी म.सा., साध्वी कांताकंवरजी,साध्वी प्रतिभाकंवरजी, साध्वी पुष्पलताजी, साध्वी सुप्रभाजी, साध्वी मणिप्रभाजी, साध्वी कमलप्रभाजी, साध्वी ज्योतिप्रभाजी, साध्वी सुमनप्रभाजी, साध्वी डॉ.चिंतनश्रीजी, साध्वी रूचिकाश्रीजी, साध्वी मुदिताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य प्राप्त होगा। सुबह 10.15 बजे से वर्षीतप आराधकों का शांतिभवन श्रीसंघ द्वारा बहुमान होगा। इसके बाद वर्षीतप करने वाले 44 तपस्वियों के सामूहिक पारणे सुबह 11.15 बजे से होंगे। प्रवचन के बाद गौतम प्रसादी का आयोजन होगा।

वर्षीतप महोत्सव को सफल बनाने में जुटा श्रीसंघ

वर्षीतप पारणा महोत्सव को सफल बनाने में शांति भवन श्रीसंघ जुटा हुआ है। पारणा करने के लिए आने वाले तपस्वीजन एवं उनके परिजनों के आवास-निवास की व्यवस्था भी श्रीसंघ द्वारा गई है। शांतिभवन श्रीसंघ के संरक्षक कंवरलाल सूरिया, अध्यक्ष महेन्द्र छाजेड़, उपाध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री सुशील चपलोत, सह मंत्री गोपाल लोढ़ा, कोषाध्यक्ष रविन्द्र सिंघवी के साथ श्री महावीर युवक मण्डल सेवा संस्थान के संरक्षक मनोहरलाल सूरिया, अध्यक्ष पुखराज चौधरी, मंत्री नितिन बापना, श्री शांति जैन महिला मण्डल की संरक्षक मधु मेड़तवाल, अध्यक्ष जूली सूरिया, मंत्री राखी खमेसरा आदि पदाधिकारी पारणा महोत्सव को सफल बनाने के लिए जुटे हुए है।

गंगेगौरी बाग बल्केश्वर में प्रस्तावित भूमि पर संपन्न हुआ भूमि पूजन एवं वास्तु विधान का आयोजन

आगरा. शाबाश इंडिया। मेडिटेशन गुरू उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज एवं मुनिश्री विश्वसम्यसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में 10 मई को होने वाले भमि शिलान्यास से पूर्व 9 मई को भूमि पूजन एवं वास्तु विधान का आयोजन किया गया। यह आयोजन सर्वतोभद्र जिनालय परिवार के तत्वावधान में आगरा के बल्केश्वर स्थित गंगेगौरी बाग के न्यू आदर्श नगर में नवनिर्मित श्री सर्वतोभद्र जिनालय के प्रस्तावित भूमि पर सानंद सम्पन्न हुआ। जिसमें सौभाग्यशाली भक्तों ने विधानाचार्य पंडित संदीप जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन एवं वास्तु विधान की मांगलिक क्रियाएं सम्पन्न कीं। इस दौरान सर्वतोभद्र जिनालय परिवार ने उपाध्यायश्री के समक्ष श्रीफल भेंट कियो कार्यक्रम के मध्य में उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ने भक्तों को मंगल प्रवचन देते हुए कहा कि धन की गति तीन प्रकार की होती है, इसमें दान, भोग और नष्ट है। उन्होंने कहा कि आज का दिन भोग व नाश का न होकर दान का है। हमें अपनी चंचला लक्ष्मी से मूर्ति दान और बेदी दान करके अपने रुपये का दान करना है, हमारी स्वयं की मुक्ति का कारण है। इस अवसर पर अमित जैन,शिखरचंद जैन सिंघई,रजत जैन,पंकज जैन, सचिन जैन,पारस जैन,अभिषेक जैन,राजेन्द्र जैन एडवोकेट,कमल जैन,सुरेश पांड्या, सुमेर पांडया,राजू गोधा,संजू गोधा, शुभम जैन,समस्त बल्केश्वर एवं ग्रेटर कमला नगर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर पुण्यार्जन किया। **-रिपोर्ट शुभम-जैन**

तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के प्रथम पारणा दिवस पर बालाचार्य निर्पूण नंदी जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में होंगे अनेक धार्मिक आयोजन

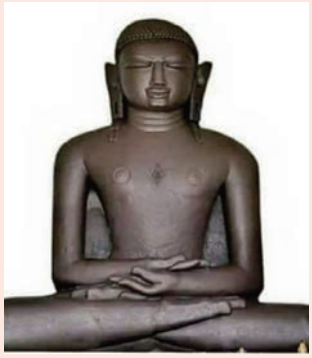

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे में अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर बालाचार्य निर्पूण नंदी जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में कल जैन धर्म के प्रर्वतक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के प्रथम पारणा दिवस पर अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजा बाबू गोधा ने अवगत कराया की कल शुक्रवार 10 मई को जैन धर्मावलंबियों द्वारा परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा लसाडिया तथा लदाना, सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर,मुनिसुव्रतनाथ मंदिर, त्रिमूर्ति मंदिर,पार्श्वनाथ चैत्याल्य , चंद्र प्रभु नसियां तथा चंद्रवीर पुरी जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में प्रातः श्री जी का अभिषेक शांतिधारा,अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की जायेगी, तथा भगवान आदिनाथ की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी।कार्यक्रम में बालाचार्य निर्पूण नंदी जी महाराज ने बताया कि इस दिन ईक्षु रस से राजा श्रेयांश के द्वारा हस्तिनापुर में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का मुनि आदि कुमार के रूप में 13 माह बाद प्रथम आहार पारणा करवाया गया था। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा तथा सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा ने अवगत कराया कि अक्षय तृतीया को दान एवं त्याग दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन दान देने से यह अक्षुण्ण हो जाता है, और बताया कि कल बालाचार्य के प्रवचन के बाद आहार चर्या होगी, जिस श्रावक के यहां आहार चर्या होगी वह राजा श्रेयास के रूप में प्रथम आहार देगा, साथ ही चौका लगाने वाले सभी श्रावक श्राविकाओं के घरों के बाहर समाज के सभी श्रावक श्राविकाओं को ईक्षु रस पिलाया जायेगा वितरण किया जाएगा। मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी ने बताया कि कल दोपहर में प्रश्न पत्रों के द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है जिसमें विजेताओं को पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया जाएगा तथा जिस भी श्रावक के घर पर आहार चर्या होगी उसके आवास से सांयकाल पार्श्वनाथ चैताल्य तक जयकारों के साथ सारे समाज के द्वारा महा आरती लाई जाएगी।

पुलक पर्व पर चिकित्सा जांच शिविर

जयपुर। पुलकपर्व 54 वें अवतरण दिवस महोत्सव के अवसर पर 9 मई को प्रातः पुलक मंच परिवार महारानी फार्म द्वारा श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सालय में एक निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया जिसमें मरीजों को विभिन्न जांच के साथ दवाएं भी निशुल्क दी गईं। इसके अतिरिक्त मानव सेवार्थ ONE WHEEL CHAIR AND WALKERS भी श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र को प्रदान किये गये हैं ,जो ट्रस्ट द्वारा संचालित कार्यो को गति प्रदान करेंगे । केम्प में पुलक मंच परिवार की राष्ट्रीय महामंत्री बीना टोंग्या,गायत्री नगर शाखा की अध्यक्ष मंजू सेवा वाली, महामंत्री रेखा झाँझरी, कोषाध्यक्ष सीमा पटौदी,संरक्षक अनिल टोंग्या, कोषाध्यक्ष सुरेश जैन,डॉ आभा गंगवाल, रश्मी तोतुका, विमला जैन,राज लुहाड़िया,मंजू जैन,उषा सेठी,निर्मल सेठी, सुरेश लुहाडिया,अतुल बिलाला, राजेन्द्र गोदिका, अनिता गोदिका के साथ अन्य कई सदस्य भी उपस्थित रहे ।केम्प में श्री दिगम्बर जैन मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा,उपाध्यक्ष अरुण शाह,सचिव राजेश बोहरा, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा के साथ उदयभान जैन , कमल मालपुरा वाले भी उपस्थित रहे ।शिविर में डॉ. सुरेश बोहरा ने विभिन्न रोगों व जांचों के सम्बन्ध में प्रकाश डाला। संचालन डॉ. आभा गंगवाल ने किया, आभार शाखा अध्यक्ष मंजू सेवा वाली ने व्यक्त किया।

भारतीय जैन संघटना ने विभिन्न संगठनों के सौजन्य से सूरत व उधना रेल्वे स्टेशनों पर 6 व्हील चेयरें प्रदान की

सूरत. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन संघटना सूरत के तत्वावधान में व श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति अहमदाबाद, नेहा फाउंडेशन चेरिटेबल ट्रस्ट, सूरत तथा साकेत ग्रुप, सूरत के सौजन्य से दिव्यांगों व असहाय रेल यात्रियों के उपयोगार्थ सूरत रेलवे स्टेशन अधीक्षक अश्विनी कुमार वर्मा को 4 व उधना रेलवे स्टेशन अधीक्षक श्री नरेन्द्र सिंह को 2 व्हील चेयरें प्रदान की गई। इस अवसर पर बी जे एस गुजरात प्रदेश अध्यक्ष प्रो डॉ संजय जैन, सचिव संजय चावत, सूरत शाखा अध्यक्ष अजय अजमेरा, सचिव रौनक कांकरिया व बी जे एस सूरत के संस्थापक गणपत भन्साली तथा रेलवे अधिकारी मौजूद रहे। ये उल्लेखनीय है कि बी जे एस व सहयोगी संस्थाओं के सौजन्य से वर्ष 2022 में भी सूरत रेलवे स्टेशन पर 4 व्हील चेयरें प्रदान की गई थी। गौरतलब है कि भारतीय जैन संघटना के बैनर तले श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति अहमदाबाद, नेहा फाउंडेशन व साकेत ग्रुप के सहयोग से गत महावीर जयंती के पावन अवसर पर 100 से ज्यादा श्रवण यंत्र, व्हील चेयरें, व ट्राई साइकिलें दिव्यांगों को वितरित की गई थी। इसी तरह वर्ष 2022 में भी दिव्यांग उपयोगी उपकरण वितरण शिविर आयोजित कर सैकड़ों दिव्यांगों को श्रवण यंत्र, व्हील चेयरें, व ट्राई साइकिलें वितरित की गई थी।

वेद ज्ञान

जीवन के भाव

भाव का ब्रह्मकमल अभाव की दुर्गम पहाड़ियों पर खिलता है। प्रभु की अनुकंपा व साधना से गंतव्य की प्राप्ति, भक्त व भक्ति की कठिन परीक्षा के उपरांत ही होती है। जो वस्तु व गंतव्य जितना महत्वपूर्ण और जितना दूर होगा, उसकी प्राप्ति में उतने ही अधिक समय, परिश्रम, धैर्य और साधना की आवश्यकता होगी। दयासिंधु भगवान जिसको जिस योग्य समझते हैं, उन्हें उनकी योग्यताओं के अनुरूप दायित्वपूर्ण भूमिकाएं सौंपते चले जाते हैं। ईश्वर कभी भी अपने भक्त को कुछ भी अनिष्टकारी वस्तु उपहार में नहीं देते, अज्ञानतावश हम उसे बुरा व अनिष्टकारी समझ बैठते हैं। जीवन में निर्मलता, मन, कर्म व सोच की पवित्रता हमें ईश्वर की दया व कृपा के निकट लाती है, जबकि मन की चालाकी, विचार की अपवित्रता और दूसरों के प्रति रचे गए षड्यंत्रों का मकड़जाल हमें अपने मार्गों में मिलने वाली असफलताओं से वंचित करता है। यदि पर्याप्त प्रयासों के बावजूद सफलता नहीं मिल रही है तो निश्चित जानिए कहीं न कहीं आपके विचार, कर्म व सोच में अपवित्रता है। हम जितना प्रयास दूसरों के असफल होने के लिए करते हैं, हमारी सफलताएं हमसे दूर होती जाती हैं। मनुष्य केपास जो आज उसका वर्तमान उपस्थित है, वह उसके अतीत के कर्मो की पूंजी है। आज का कर्म भविष्य की पूंजी होगी। हम आने वाले कल में सुखी रहना चाहते हैं या दुखी, यह सोच कर अगर हम अपने कार्यो, सोच व वाणी की दिशा का निर्धारण करें तो जीवन में कभी भी पश्चाताप, दुख और पीड़ा का अनुभव न करना पड़े। जिसकेजीवन के कर्म और लक्ष्य की नींव झूठ पर आधारित हो तो उसकी जीवन-झोली में ईश्वर असफलता, दुख, आपदा व कष्ट के अलावा भला डाल ही क्या सकते हैं? ईश्वर हमेशा हमें हमारे कर्मो की बोई हुई फसल का ही पारिश्रमिक अवसर व जीवन के उपहार के रूप में लौटाते हैं। आखिर मन, कर्म व वाणी से हमने जीवन के प्लॉट में जो कुछ बोया होगा, काटने के लिए भी तो हमें वही फसल मिलेगी। आज आपके पास जो भी सफलता व असफलता है, उसके जिम्मेदार केवल और केवल आप ही हो। इसलिए ऐसे कर्म बीज बोएं, जिनकी उपज की प्राप्ति से हमे भावी जीवन में आनंद, गर्व और असली सुख की अनुभूति हो।

संपादकीय

कोरोना टीकाकरण सवालों के घेरे में

एक बार फिर भारत में हुआ कोरोना टीकाकरण सवालों के घेरे में आ गया है। दरअसल, ब्रिटेन की कोरोना टीका बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने वहां के उच्च न्यायालय में स्वीकार किया है कि उसके टीके का दुर्लभ मामलों में दुष्प्रभाव हो सकता है। इससे खून के थक्के जमने, खून में प्लेटलेट घटने और इस वजह से दिल का दौरा पड़ने का खतरा हो सकता है। अब कंपनी ने दुनिया भर से अपने टीके वापस मंगाने का फैसला किया है। इससे

भारत में भी लोगों में एक प्रकार का खौफ पैदा हो गया है। दरअसल, भारत में लगाया गया कोविशील्ड टीका एस्ट्राजेनेका के फामूर्ले पर ही तैयार किया गया, जिसका उत्पादन पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट ने किया था। हमारे यहां इसके टीकाकरण को लेकर शुरू में ही विवाद छिड़ गया था। तब विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि उचित प्रक्रिया से परीक्षण किए बगैर इसे व्यापक स्तर पर लगाया जा रहा है। मगर तब सरकार, तमाम चिकित्सा विशेषज्ञ, यहां तक कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने भी बार-बार लोगों को आश्वस्त किया था कि कोरोना के टीके पूरी तरह सुरक्षित हैं। मगर इस हकीकत से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि कोविशील्ड को चूंकि ब्रिटेन में मान्यता मिल चुकी थी, इसलिए भारत में उसे तीन के बजाय दो चरण में परीक्षण कराने के बाद ही मंजूरी दे दी गई थी। टीकाकरण के बाद यहां भी कई लोगों ने शिकायत करनी शुरू कर दी थी कि उनके शरीर पर टीके का दुष्प्रभाव पड़ा है। पिछले साल जब देश में दिल का दौरा पड़ने के मामलों में उछाल दर्ज किया गया, उत्सवों में नाचते, कसरत करते या खेलते हुए अचानक लोगों के गिर कर मर जाने की घटनाएं बढ़ गईं, तो इसे लेकर संसद के मानसून सत्र में सवाल भी पूछे गए। तब स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि इस पर अलग-अलग संस्थाएं अध्ययन कर रही हैं और उनके नतीजे आने के बाद स्थिति स्पष्ट कर दी जाएगी। मगर अभी तक इससे जुड़े एक भी अध्ययन की रिपोर्ट सामने नहीं आ सकी है। अब भी चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी टीके का दुष्प्रभाव उसके लगाने के चार से छह हफ्तों में प्रकट हो जाते हैं। अब दो साल से अधिक समय बीत जाने के बाद ऐसा कोई खतरा नहीं रह गया है। मगर लोगों में इसके दुष्प्रभावों को लेकर जो भय पैदा हो गया है, उसके निराकरण की दरकार बनी हुई है। यह ठीक है कि जिस तरह कोविड ने पांव पसारना शुरू किया था और उसकी चपेट में आकर लोगों की मौत हो रही थी, उस पर काबू पाने के तत्काल उपाय की जरूरत थी। ऐसे में कोविशील्ड और कोवैक्सीन के उत्पादन से काफी राहत मिली थी। मगर सरकार इस तथ्य से आंख नहीं चुरा सकती कि टीकाकरण में जल्दबाजी दिखाई गई और इन्हें लेने के लिए लोगों को बाध्य किया गया। यह भी तथ्य है कि दुनिया का कोई भी टीका सौ फीसद सुरक्षित होने का दावा नहीं कर सकता, हर किसी का कोई न कोई दुष्प्रभाव होता ही है। मगर इस आधार पर कोविशील्ड और कोवैक्सीन को संदेह के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

घरेलू खर्च मुश्किल

किसी देश की अर्थव्यवस्था की सेहत इस बात से भी आंकी जाती है कि उसकी राष्ट्रीय बचत किस स्थिति में है। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से होड़ करती हुई आगे बढ़ रही है। मगर इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि यहां राष्ट्रीय घरेलू बचत का रुख नीचे की तरफ बना हुआ है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने अपने ताजा आंकड़े में बताया है कि पिछले तीन वर्षों में देश के परिवारों की शुद्ध बचत नौ लाख करोड़ रुपए से अधिक घट गई है। जारी आंकड़ों के मुताबिक वित्तवर्ष 2020-21 में परिवारों की शुद्ध बचत 23.29 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई थी, जो 2022-23 में घट कर 14.16 लाख करोड़ रुपए रह गई। यह स्थिति तब है जब देश में विदेशी मुद्रा की आवक बढ़ी है। विदेशों में रह रहे भारतीयों ने 2022 में एक सौ ग्यारह अरब डालर भारत भेजे। इस तरह हम दुनिया का पहला देश बन चुके हैं, जहां सौ अरब डालर या उससे अधिक विदेशों से भेजा गया धन प्राप्त हुआ है। हालांकि समीक्ष्य अवधि में म्युचुअल फंड में निवेश बढ़ कर तीन गुना और शेयरों तथा डिबेंचर में परिवारों का निवेश बढ़ कर दोगुना हो गया है। मगर इसके बरक्स सच्चाई यह भी है कि पिछले तीन वर्षों में परिवारों पर कर्ज का बोझ बढ़ कर दोगुना हो चुका है। इसमें परिवारों द्वारा गैरवित्तीय बैंकों से लिया गया कर्ज चार गुना बढ़ा है। यह अवधि कोरोनाकाल के दौरान और उसके बाद की है। उस दौरान भविष्य निधि खाते से निकाले गए धन में भी बेतहाशा बढ़ोतरी दर्ज हुई थी। यानी कोरोनाकाल के बाद जिस अर्थव्यवस्था के सुधरने के दावे किए जाते रहे हैं, उसमें लोगों का अपना घरेलू खर्च चलाना मुश्किल बना हुआ है। इससे रोजगार की स्थिति और प्रति व्यक्ति आय के स्तर का भी पता चलता है। देश की तरक्की का तूमार चाहे जितना ऊंचा

उठ जाए, पर वह टिकाऊ आम आदमी की हैसियत से ही बनती है। इसलिए यह अपेक्षा अपनी जगह बनी हुई है कि हकीकत से आंखें मिलाते हुए, विकास दर के बरक्स बुनियादी खामियों को दूर करने की कोशिश हो।

अ.भा.दि. जैन महिला परिषद अंजना संभाग का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

इंदौर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद से संबद्ध अंजना संभाग के अंतर्गत आदिनाथ महिला परिषद छत्रपति नगर शाखा एवं विजय श्री शाखा विजयनगर का संयुक्त शपथ ग्रहण समारोह जंवरी बाग नसिया के सभागृह में परिषद की केंद्रीय अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जैन के मुख्य आतिथ्य एवं शिक्षा विद डॉक्टर संगीता मेहता के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निर्मला जैन ने आदिनाथ शाखा छत्रपति नगर की नव निर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती रजनी जैन, सचिव मनीषा जैन एवं कोषाध्यक्ष नीलम बांझल को एवं विजय श्री शाखा विजयनगर की अध्यक्ष श्रीमती प्रिया जैन, सचिव संगीता जैन एवं कोषाध्यक्ष सीमा जैन सहित दोनों शाखाओं की कार्यकारिणी को अपने पद एवं कर्तव्य निर्वहन की शपथ दिलाई। शिक्षा विद डॉक्टर संगीता मेहता ने इस अवसर पर अपने संक्षिप्त संबोधन में शपथ ग्रहिता पदाधिकारियों को बधाई देते हुए महिला परिषद को महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी एवं नारी के छह स्वरूपों का उल्लेख करते हुए कहा कि नारी कर्म में मंत्री, कार्य में दासी, रूप में लक्ष्मी, भोजन कराते समय माता, शयन के समय रंभा एवं अपने अनुकूल व्यवहार न होने पर क्षमाशील होती है इसलिए नारी सर्वत्र पूज्यनीय है। समारोह के अंत में केंद्रीय महामंत्री श्रीमती प्रभा जैन ने समारोह में उपस्थित परिषद की सभी सदस्याओं को 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में अनिवार्य रूप से सभी को मतदान करने की भी शपथ दिलाई। इस अवसर पर केंद्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती सरला सामरिया, अंजना संभाग अध्यक्ष श्रीमती अनीता जैन, प्रांतीय चेयर पर्सन , मुक्ता जैन सुषमा जैन एवं मीना जैन आदि पदाधिकारी उपस्थित थे। मंगलाचरण प्रीति जैन ने किया एवं स्वागत गीत नवनीत कल्पना जैन ने किया समारोह का सफल संचालन श्रीमती कल्पना बंडी ने किया।

16 दिवसीय पखवाड़े में 16 दिन तक शांतिनाथ मण्डल विधान का आयोजन

दूसरे दिन इन्द्र इन्द्राणियो ने मण्डल जी में 120 श्री फल चढ़ाया

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा सन्त निवास नसिंया जैन मंदिर में आर्यिका श्रुतमति सुबोध मति व विशेष मति माताजी संघ के सानिध्य में 16 दिवसीय पखवाड़े के तहत 16 दिन तक शांतिनाथ मण्डल विधान का आयोजन किया गया जो बुधवार 8 मई से 23 तक अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ गाजे बाजे से विधान मण्डप की रचना करके शांति अनुष्ठान किया जाएगा । जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि 16 दिवसीय विधान कार्यक्रम में पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री के निर्देशन में चावलों से विधान मण्डप का मांडना किया गया जिसमें गुरु माता श्रुतमति सुबोध मति एवं विशेष मति माताजी के सानिध्य में पांच मंगल कलश की स्थापना ३हुई। कार्यक्रम में सोधर्म इन्द्र महावीर प्रसाद रमेश चंद मुकेश कुमार अनिल कुमार जैन पहाड़ी एवं सोधर्म इन्द्र निर्मल कुमार रविन्द्र गोयल ममता गोयल को भगवान शांतिनाथ जी का कलशाभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य मिला। विधान में देव शास्त्र और गुरु पूजन आर्यिका रत्न आदिमति माताजी पूजन के साथ गाजे बाजे से शांतिनाथ मण्डल विधान की विशेष पूजा अर्चना भक्ति भाव से की गई। विधान के अन्तर्गत श्रद्धालुओं ने 120 श्री फल अर्ध्य चढ़ाए।

सिद्धार्थ नगर समाज ने चढ़ाया गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी को प्रवास हेतु श्रीफल

जयपुर. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी भूषण आर्यिका 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ श्री 1008 महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, वरुण पथ जयपुर में विराजमान है। माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री श्री जिनसहस्त्रनाम का मंगल पाठ, अभिषेक, शांतिधारा का आयोजन हुआ। तत्पश्चात प्रवचन सभा का आयोजन हुआ। अक्षय तृतीया का महत्व बताते हुए माताजी ने कहा कि - अक्षय तृतीया के दिन ही भगवान आदिनाथ जी के द्वारा दान पर्व की परम्परा का उद्गम हुआ था। भोग भूमि का काल व्यतीत होने के पश्चात कर्मभूमि के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव जी बने श्रावक और श्रमण धर्म की परम्परा को अक्षुण्ण बनाने हेतु शिक्षायें दी। उन्हीं उपदेशों की पालना हेतु आज का यह पर्व अक्षय दान को लक्षित करता है। इस दिन के आहार दान का फल उत्तम पात्र 5 करोड़, 93 लाख, 98 हजार 206 मुनियों को देने के बराबर है। उत्तम पात्र को दिया गया दान उत्तम भोगभूमि को दिलाता है, मध्यम पात्र को मध्यम भोगभूमि एवं जघन्य पात्र को जघन्य भोग भूमि का फल प्राप्त होता है। आज अक्षय तृतीया पर दिया गया दान अक्षय बन जाता है। कल प्रातः 9 बजे वरून पथ जैन मंदिर के प्रांगण में आर्यिका संघ का भव्य पड़गाहून महोत्सव होने जा रहा है। गुरूमां की आहारचर्या कराने का सौभाग्य अरुण शैलबाला जैन ने प्राप्त किया। सिद्धार्थ नगर जैन समाज ने पूज्य माताजी को अल्प प्रवास हेतु श्रीफल समर्पित किया ।

सुदी बैशाख सु एकम नाम...

भगवान कुन्थुनाथ के जयकारों से गूंज उठे जिनालय - मनाया जैन धर्म के सत्रहवें तीर्थंकर भगवान कुन्थुनाथ का जन्म, तप व मोक्ष कल्याणक

पूजा अर्चना के हुए विशेष आयोजन - चढाया निर्वाण लाडू

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के सत्रहवें तीर्थंकर भगवान कुन्थुनाथ का जन्म तप व मोक्ष कल्याणक दिवस बुधवार, 8 मई को भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये ।निवाणोत्सव मनाया जाकर मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया गया। अभादिजैन परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार इस मौके पर मंदिरों में प्रातः भगवान कुन्थुनाथ के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की गई । पूजा के दौरान जन्म, तप कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए अर्घ्य चढाये गये । तत्पश्चात निर्वाण काण्ड भाषा का वाचन कर मोक्ष कल्याणक श्लोक "सुदी बैशाख सु एकम नाम, लियो तिहीं द्योस अभय शिव धाम। जजे हरि हर्षित मंगल गाय, समर्चतु हों सु हिया वच काय।।" का उच्चारण कर मंत्रोच्चार के साथ निर्वाण लाडू व अर्घ्य चढाया गया । भगवान कुन्थुनाथ की महाआरती के बाद समापन हुआ। जैन के मुताबिक दिल्ली रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नटाटा में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये जाकर मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। इस मौके मंदिर अध्यक्ष महेन्द्र कुमार साह आबूजीवाले, महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, अजय गोधा, अजय साह आबूजीवाले, सुनील गोधा, दीपिका जैन कोटखावदा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। जैन ने बताया कि आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज तथा सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर,सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, शांतिनाथ जी की खोह के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहित अन्य मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन हुए।

अक्षय तृतीया महापर्व शुक्रवार को...

अभादिजैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि को शुक्रवार, 10 मई को अक्षय तृतीया महापर्व भक्ति भाव से मनाया जाएगा।इस मौके पर जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का मुनि के रूप में मुनि आदि कुमार के प्रथम पारणा दिवस के उपलक्ष्य में शहर के जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। त्याग की महिमा दशार्ते हुए जगह जगह दान देने के आयोजन किये जाएंगे। उनके प्रथम पारणा का प्रतीक ईश्क्षु रस जैन मंदिरों के बाहर आमजन को पिलाया जाएगा।

विनोद जैन 'कोटखावदा' प्रदेश उपाध्यक्ष

अक्षय तृतीया पर्व महान: घर-घर मनेगी अक्षय तृतीया

जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के प्रथम पारणा दिवस पर आज होंगे कई धार्मिक आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का प्रथम पारणा दिवस अक्षय तृतीया पर्व शुक्रवार, 10 मई को जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर के जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। अभादिजैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि अक्षय तृतीया महापर्व के मौके पर जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का मुनि के रूप में मुनि आदि कुमार के प्रथम पारणा दिवस के उपलक्ष्य में शहर के जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। त्याग की महिमा दशार्ते हुए जगह जगह दान देने के आयोजन किये जाएंगे। उनके प्रथम पारणा का प्रतीक ईक्षु रस जैन मंदिरों के बाहर आमजन को पिलाया जाएगा। जैन ने बताया कि अक्षया तृतीया के दिन जैन बन्धुओं द्वारा दान देने की परम्परा है। इस दिन दान देने से यह अक्षुण हो जाता है। इस दिन इक्षु रस से राजा श्रेयांस द्वारा हस्तिनापुर में जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का मुनि रुप में 13 माह बाद प्रथम आहार करवाया गया था। जैन के मुताबिक पुलक जन चेतना मंच,श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति, सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था, जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो सहित शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। दुर्गापुरा के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर एवं झोटवाड़ा के पटेल नगर स्थित श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन, तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, एस एफ एस के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, सांगानेर के श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, सूरजपोल गेट स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मोहनबाडी, मालवीय नगर के सेक्टर 3 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः भगवान आदिनाथ के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जाएगी। तत्पश्चात आमजन को इक्षु रस पिलाया जाएगा।

आखा तीज महान, दिया कर्मों का ज्ञानः आचार्य अतिवीर मुनि

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव श्री ऋषभदेव भगवान को वैसाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीय तिथि को हस्तिनापुर में इक्षु रस का प्रथम आहार प्राप्त हुआ था। उसी दिन से दान-तीर्थ का प्रवर्तन हुआ तथा इस शुभ तिथि को अक्षय तृतीया के नाम से पुकारा जाने लगो महामुनि ऋषभदेव ने जैनेश्वरी दीक्षा अंगीकार कर सर्वत्र अहिंसा का पाठ पढाया तथा जन मानस के समक्ष त्याग-तपस्या की परिभाषा को लिख डाला। छह माह तक घोर तपश्चर्या के पश्चात जब मुनिराज आहारचर्या हेतु नगर की ओर बढे तो किसी भी श्रावक को दिगम्बर मुनिराज की आहारचर्या की विधि का ज्ञान नहीं था। राजा श्रेयांस को जाति-स्मरण हुआ तब उन्होंने पड़गाहन कर नवधाभक्ति पूर्वक महामुनि ऋषभदेव का निरन्तराय आहार करवाया। हम सभी ने महामुनि की प्रथम आहारचर्या की खुशी तो मना ली परन्तु क्या कभी इस तथ्य पर गौर किया कि ऐसे महातपस्वी को भी आहार के लिए इतने लम्बे समय के लिए क्यों इंतजार करना पड़ा? क्या सदैव तपस्या में संलग्न, सदा कर्मों की निर्जरा में तत्पर महामुनि ऋषभदेव को भी पूर्व में किए गए कर्मों का हिसाब देना पड़ा। शायद हम सभी ने अपनी सुविधा के लिए इन सभी विषयों को गौण कर बस उनकी प्रथम आहारचर्या का उत्सव मना लिया। लेकिन वास्तविकता

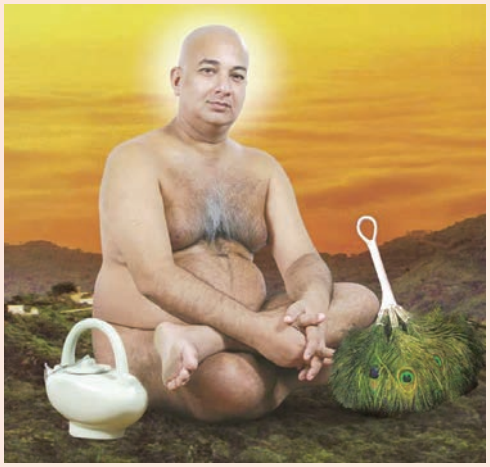

को नकारा नहीं जा सकता और हमें इसपर चिन्तन अवश्य करना होगा कि कर्मों की मार से कोई भी, कभी भी, किसी भी सूरत में नहीं बच सकता। अक्षय तृतीया केवल महामुनि ऋषभदेव का पारणा दिवस नहीं है अपितु यह दिवस इस बात का भी द्योतक है कि पूर्व में किए गए कर्म हमारे आगे अवश्य आते है तथा हमें उन सभी का हिसाब-किताब यही पर चुकता करना पड़ता है। राजकुमार अवस्था में श्री ऋषभदेव ने फसल की सुरक्षा के लिए जानवरों के मुख पर छींका बांधने की प्रेरणा दी थी, फलस्वरूप उन्हें छः माह तक आहार प्राप्त नहीं हुआ।अब प्रश्न यह उठता है कि क्या केवल प्रेरणा देने मात्र से इतना कष्ट? जी हाँ, बिलकुल ऐसा ही होता है आगम के झरोके से यह स्पष्ट होता है कि सभी जीवों को कृत-कारित-अनुमोदना, इन तीनों के द्वारा पाप कर्म का आश्रव होता है पाप को स्वयं करना अथवा किसी दूसरे के द्वारा करवाना अथवा किसी दूसरे के द्वारा किए गए पाप की प्रशंसा करना, इन सभी में महापाप का बंध होता है। हम सभी को अपने अन्तरंग में झाँककर यह भली प्रकार से देख लेना चाहिए कि हम कब, कहाँ और किस प्रकार से पाप कर्म का बंध कर रहे हैं जीवन में सदैव सचेत अवस्था में रहकर पाप से बचते हुए अपने परम लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अविरल बढ़ते रहना चाहिऐ आचार्यों ने कहा है कि एक मूर्छित व्यक्ति दस मुर्दों से भी ज्यादा खतरनाक होता है। हम अपने जीवन में हमारी नादानी, हमारी अज्ञानता, हमारी असावधानी के कारण ना जाने कितने कर्मों का बंध कर लेते हैं। अक्षय तृतीया के इस परम पुनीत दिवस पर हम सभी को यह अवश्य समझना होगा कि कर्मों के बही-खाते से कोई भी जीव नहीं बच सकता तथा अपने जीवन में सदा सावधानी रखते हुए आत्म-कल्याण के लिए अग्रसर रहना चाहिए।

देव आनंद के 100 वर्ष के सफर पर तिरंगा थीम के साथ याद किया देव आनंद को

जयपुर। The Evergreen Dev Anand Society Jaipur के सदस्यों ने बर्ड फ्रीडम डे और वाणी संयम अभियान के संस्थापक विपिन कुमार जैन और सह संस्थापक रुचिका जैन के निवास पर मुहाना मंडी रोड स्थित सनशाइन प्राइम सोसायटी में देव आनंद जी को श्रद्धांजलि स्वरूप एक संगीत संध्या देव गीत माला का आयोजन किया गया ...The Evergreen Dev Anand Society , Jaipur ke president रवि कामरा ने बताया की देव साहिब की यादों को जीवित बनाए रखने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है , कार्यक्रम में अनेक देव प्रेमियों के बीच सुर संध्या में गीतकारों ने देव आनंद पर आधारित गीतो को सुना रविवार की शाम को बनाया हसीन। पूरा कार्यक्रम पुष्प वर्षा के साथ और तिरंगा थीम पर आधारित था जो अनेक दिलो के लिए एक यादगार पल बना ...कार्यक्रम में खोया खोया चांद, वहां कौन है तेरा, दम मारो दम जैसे गानों ने सभी को आनंदित किया ....कार्यक्रम में the evergreen Dev Anand Society ke सदस्यों के अलावा वैशाली नगर, सांगानेर , करतारपुरा , झोटवाड़ा, जनता कॉलोनी, मालवीय नगर, सनशाइन प्राइम, अनुकंपा प्लेटिना निवासियों ने हिस्सा लिया...

वैवाहिक वर्षगांठ पर किया प्रतिमा विराजमान कर पुण्यार्जन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रूप तीर्थंकर के अध्यक्ष डां.एम.एल जैन 'मणि'-डां शान्ति जैन 'मणि' ने अपनी शादी की वर्षगांठ पर प्रतिमा का विराजमान कर पुण्यार्जन किया है। यह प्रतिमा टोंकरोड पर ग्राम पंचायत गुन्सी, तहसील निवाई जिला टोंक में नवनिर्मित होने वाले 'स्वर्णिम सहस्त्रकूंट जिनालय' में विराजमान की जावेगी । मणि परिवार ने यह 105 विज्ञाश्री माताजी की प्रेरणा व आशीर्वाद से विराजमान कराई है। इससे पूर्व डां मणि व डा शान्ति जैन तथा तीर्थंकर ग्रुप के कोषाध्यक्ष पारस मल लुहाडिया -मंजू लुहाडिया ने जल्दी सवैरे सुदर्शनोदय तीर्थक्षेत्र आंवा जाकर प्रथम अभिषेक व बोली के माध्यम से शान्तिधारा की व शान्तिनाथ-भक्तामर विधान किया,व चारों तरफ के मंदिरों के दर्शन कर वंहा से अतिशय क्षेत्र सांखणा आ गये ,जंहा भगवान शान्तिनाथ की अतिप्राचीन व अतिशयकारी व चमत्कारी मूर्ती के व अन्य वेदियों के दर्शन किए। वंहा से महेन्दवास स्थित भगवान चन्द्र प्रभ के मंदिरजी के दर्शन किए। इस कार्य के लिए ग्रुप के सचिव सुरेश-आभा गंगवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नाथू ला बॉर्डर पर दी अनाम शहीदों को श्रद्धांजलि

सिक्किम. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल वागड़ जोन डूंगरपुर बांसवाड़ा द्वारा सिक्किम की राजधानी गंगटोक से 55 किलोमीटर दूर भारत चीन सीमा पर नाथू ला बॉर्डर पर अखंड भारत के लिऐ अनाम उत्सर्ग करने वाले हजारों शहीदों को हार्दिक श्रद्धांजली दी गईं। वागड़ जोन डूंगरपुर बांसवाड़ा चेयरमैन पृथ्वीराज जैन, गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया, वीरा पुष्पा जैन, वीरा कुसुम कोठिया ने शहीदों की स्मृति में दो मिनिट का मौन रख कर उनकी आत्मिक शांति के लिऐ नमोकारमयी विनयांजलि दी। कोठिया ने बताया की भारत चीन युद्ध में यहां सैकड़ों सैनिक हताहत हुए थे और इनके बलिदान के कारण ही आज हम सुरक्षित जीवन जी रहे हैं।

जॉब ड्राइव में पहुंचे प्रशिक्षित 300 विद्यार्थी

जयपुर. शाबाश इंडिया। गोपालपुरा बाईपास स्थित आईटी ट्रेनिंग कंपनी टेक्नोग्लोब के कार्यालय में जॉब ड्राइव का आयोजन हुआ। इस मौके पर करीबं 50 से अधिक टेक्नोगलोब सेंटरों में प्रशिक्षित 300.विद्यार्थियों ने भाग लिया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर शीराज खान ने बताया कि 12 से अधिक कंपनियों ने अलग-अलग क्षेत्रों में जैसे अकाउंटिंग, ग्राफिक डिजाइन, वीडियो एडिटिंग, डिजिटल मार्केटिंग, वेब डवलपमेंट इत्यादि में 80.विद्यार्थियों का चयन किया। उन्होंने बताया की टेक्नोग्लोब संस्था समय समय से ऐसे जॉब ड्राइव आयोजित करती रहती है औरे अपने यहां से प्रशिक्षित विद्यार्थियों को प्लेसमेंट में सहायता करवाती है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन

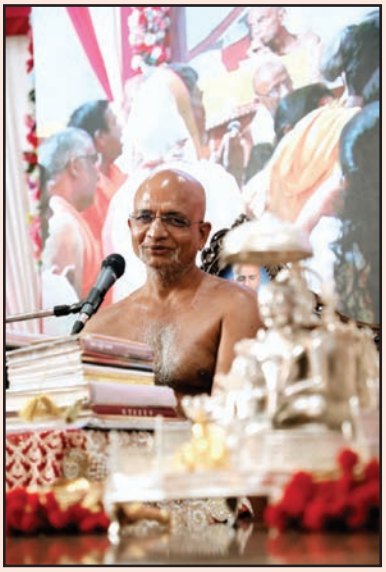

ये तीन कार्य व्यर्थ हैं
(1) सबको खुश करने की कोशिश,
(2) बदले का भाव, और
(3) गुजरे हुए वक्त में डूबे रहना।
संसार स्वार्थ से चलता है। आप कुछ भी करो, कुछ भी कहो, ये संसार बिन स्वार्थ के नहीं चल सकता।
बेटे चार प्रकार के होते हैं....
(1) पहला पुत्र - एक पिछले जन्म का लेनदार बेटा। उसे आप कितना भी पढ़ाओ, कितना भी लिखाओ, उसे बड़ा करो। उसका विवाह करो और बस चल बसता है। लेन देन पूरा हुआ और चल बसा, तो समझना वो लेनदार पुत्र था।
(2) दूसरा पुत्र - पिछले जन्म का बेरी भी पुत्र होकर आता है। ऐसा पुत्र कदम कदम पर दुःख देता है, छाती पर मूंग डलता है, नाक में दम कर रखता है, ऐसा पुत्र--पुत्र के रूप में दुश्मन होता है और पिछले जन्म का पूरा बदला लेता है।
(3) तीसरा पुत्र - उदासीन पुत्र होता है। ना मित्र होता है ना बैरी होता है, ऐसा पुत्र मां बाप को ना सुख देता है, ना दुःख देता है बस कहने का पुत्र होता है, बस कहने का।
(4) चौथा पुत्र होता है - सेवक पुत्र। पिछले जन्म में आपने किसी की सेवा की और वही आपका पुत्र बनकर आ गया, ऐसा पुत्र सेवा करके सुख देता है। मां बाप की जो--जी जान से सेवा करता है, बुढ़ापे का सहारा बनता ही है। मां-बाप की कीर्ति को भी बढ़ाता है। आप कौन से नंबर के बेटे हैं?

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

महावीर इंटरनेशनल 'युवा' द्वारा गौ सेवा कार्य किया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सेवा कार्यों की श्रृंखला में महावीर इंटरनेशनल युवा, ब्यावर केंद्र के तत्वावधान में आज श्री तिजारती गौशाला, ब्यावर (सतपुलिया के पास, मसूदा रोड) ग्रीष्म ऋतुफल तरबूज ककड़ी खरबूजा से गौ सेवा का आनंद लिया गया। गौ सेवा कार्यक्रम में वीर राजेश मुरारका, वीर अमित बंसल, वीर विकास बंसल, वीर निखिल जिंदल, वीर त्रिलोक अग्रवाल, वीर राजेश मंत्री, वीर राजेश रांका, वीर संदीप जैन, हलवाई वीर योगेश बंसल, वीर महेंद्र राका, वीर योगेश बंसल सर्राफ, वीर सुनील सिंघल, वीर पुलकित सिंघल, वीर राजकुमार गोयल, वीर लव नामा, वीर सत्यकाम दाधीच, वीर सुशील शर्मा एवं वीरा सदस्य उपस्थित थे। बड़े ही पुण्य के योग से एवं भाग्यशाली व्यक्तियों को गौ सेवा करने का अवसर प्राप्त होता है। कोषाध्यक्ष वीर राजेश मुरारका ने तरबूज, ककड़ी, खरबूजा वितरण कार्य में सभी सदस्यों की सहभागिता के लिये आभार व्यक्त किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का पूल पार्टी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का होटल एलिट पार्क मानसरोवर पर पूल पार्टी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। अध्यक्ष किरण झंझरी एवं सचिव विजया काला ने बताया कि 80 संगिनी सदस्यों ने विभिन्न रोचक एवं अनोखी प्रस्तुति दी। विजया काला सचिव द्वारा मदर स्पेशल एवं समर आकर्षक हाउजी खिलाई एवं पारितोषिक भी प्रदान किए। कार्यक्रम में आनंद राठी सिक्योरिटी की टीम के द्वारा महिलाओं को निवेश के बारे में जानकारी दी और निवेश के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अंजना गंगवाल उपाध्यक्ष , नूपुर जैन संयुक्त मंत्री, संगीता जैन कोषाध्यक्ष एवम अन्य सदस्य गण उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल एवम रोचक बनाने में सभी सदस्यों ने सहयोग दिया।

महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर डॉ शोभा तोमर का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह परिहार ने बताया महाराणा प्रताप जयंती के शुभ अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रूपक सिंह व संभाग उपाध्यक्ष एडवोकेट संदीप राठौड़ ने निम्स विश्वविद्यालय की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर शोभा तोमर का शॉल एवं श्रीमद् भागवत गीता भेंट कर सम्मान किया, रूपक सिंह ने बताया श्रीमती डॉक्टर शोभा तोमर लगातार शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र के साथ-साथ समाज सेवा एवं जनहित के लिए रानी लक्ष्मीबाई बनकर कार्य कर रही है उनके द्वारा किए जा रहे कार्य महिलाओं को सकारात्मक सोच की तरफ लेकर जा रहे हैं, डॉ शोभा तोमर चिकित्सक होने के साथ-साथ जनहित का दायित्व बखूबी निभा रही है। एडवोकेट संदीप राठौड ने कहा भारत में इसी तरह महिलाएं मजबूती से कार्य करती रहेंगी तो देश के विकास की रफ्तार दोगुनी हो जाएगी। डॉक्टर तोमर ने अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट संगठन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

चार दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला 21 से, पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवदेन 18 मई तक

उदयपुर. शाबाश इंडिया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की ओर से चार दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला 21 मई से आयोजित होगी। केंद्र निदेशक फुरकान खान ने बताया कि इसमें शहर के वरिष्ठ छायाकार राकेश शर्मा 'राजदीप' प्रतिभागियों को बेसिक जानकारी से प्रोफेशनल फोटोग्राफी टिप्स देंगे। वहीं, लेकसिटी कैमरा क्लब के कॉर्डिनेटर खुशवंत सिंह सरदलिया स्पेशल टेक्निकल सेशन में अपने अनुभव साझा करेंगे। इसके अलावा प्रतिभागी रोजाना पोर्ट्रेट, टेबल टॉप, स्टूडियो फोटोग्राफी और केंडिड शॉट्स के प्रेक्टिकल सेशन भी पाएंगे। अंतिम दिन पोस्ट प्रोडक्शन और ऑन स्पॉट फोटो कंपीटीशन अलग आकर्षण रहेंगे। सभी रजिस्टर्ड प्रतिभागियों को केंद्र की ओर से आकर्षक सहभागिता प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे। कार्यक्रम समन्वयक हेमंत मेहता ने बताया कि 24 मई तक चलने वाली कार्यशाला रोजाना सुबह 10 से 2 बजे तक दो सत्र में आयोजित होगी। सीमित उपलब्धता वाली इस कार्यशाला के लिए 18 मई शाम 4 बजे तक गणगौर घाट स्थित बागौर की हवेली में आवेदन प्रस्तुत किए जा सकते हैं। **-रिपोर्ट/फोटो : योवंतराज माहेश्वरी**

दूध के बारे में सवाल जो जानना जरूरी है ...

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

सवाल

गाय भैंस बकरी दूध देती है इसलिए लोग उसे पालते हैं यदि उसका दूध पीने योग्य नहीं है तो फिर उसे कौन पालेगा। फिर ऐसी स्थिति में यह सब तो कत्लखाने में ही जाएंगे। लाखों डेयरीया है। लाखों टन दूध की खपत रोज देश में हो रही है। पीढियो से हम दूध पीते आ रहे हैं।

जवाब:

पहली बात तो यह है कि हमें किसी भी पशु को पालने की जरूरत ही नही है। पालने के बहाने हम उसके गलेमें रस्सी डालकर उसको बंधक बनाते हैं और उसको आजीवन कारावास की सजा दे देते है, बिना किसी गुनाह के। यह प्रकृति की दृष्टि से एक सबसे बड़ा गुनाह है। प्रकृति ने सभी जीवोंको स्वतंत्रता दी है। अब आप कहेंगे कि हम उसको बांधकर उसको खाना-पीना, इलाज और सर्दी-गर्मी-जंगली जानवरों से रक्षण देते हैं। मैं इसके जवाबमें आपसे दो प्रश्न करना चाहूंगा ... पहला... किसी पशुने आपसे यह सहुलियत मांगी है? दूसरा ... क्या आप उसकी जगह होते तो स्वतंत्रता के बदलेमें यह सहुलियतें पसंद करते? कुछ लोग दूसरे प्रश्न के जवाबमें गुलामी पसंद करें, यह हो सकता है। आजके जमानेमें कुछ पैसों के लिए अपना समय और मानसिक-शारिरिक स्वास्थ्य देकर बड़ी कंपनियों में जॉब करनेवाले ऐसी गुलामीको पसंद कर सकते हैं। इन्सानोमें गुलामी की मानसिकता है। परंतु पशुओं में नहीं।

दूसरी बात... जो आज दूध देते हैं, वह सभी प्राणी जब दूध देना बंध करते हैं तब उन सभी की मृत्यु तो कतलखाने में ही होती है। आज नही तो कल उनको तो कटना ही है।

तीसरी बात ... लाखों डेरिया हैं। लाखों टन दूध की खपत हररोज होती हैं। वैसे ही उतने ही कतलखाने हैं। लाखों टन मांस की खपत भी होती है और विदेशों में भी भेजा जाता है। तो क्या? तो यह सही हो गया?

चौथी बात ... पीढ़ियों से हम दूध पीते आ रहे हैं। आप सतीप्रथा के बारे में जानते ही होंगे। राजा राममोहनराय ने उसको बंध करवाया। पहले कई पीढियों से मंदिरोंमें बकरे कटते थे। वो सब आज बंध है। तो कोई रीत या रिवाज पीढ़ियों से चले आने से वो सही होने का प्रमाण नही मिलता। वो गलत भी हो सकता है।

सवाल:

नागपुर में हमारे डॉक्टर श्री राजेंद्रजी सारडा उम्र 78 साल सिर्फ दूध ही पीते हैं और वह भी भैंस का दूसरा कुछ भी नहीं खाते पीते हैं और स्वस्थ भी हैं। मैं भी 70 साल से गाय भैंस सभी डेयरी का दूध पीते आ रहा हूं कभी कोई समस्या नहीं हुई है। हमारे जैसे और भी बहुत से लोग हैं जो वर्षो से नियमित दूध पीते आ रहे हैं। आप हमसे संपर्क कर सकते हैं और हम जैसे लोगों से प्रेरणा लेकर अपने विचार और शोध में बदलाव कर सकते हैं।

जवाब: हजारों लोग मांस, मच्छी, अंडा... वगैरह खाकर सौ साल से भी ज्यादा जिये है और वह भी पूरी तंदुरुस्ती के साथ। बिना कोई बीमारी के। जापान में **sea food** खाकर सबसे ज्यादा जीनेवाले लोग मौजूद है। तो क्या आप इससे इन सब चीजों को खाने लायक मानेंगे?

सवाल:

बाकी आपकी मर्जी। लाखो लाखो टन दूध रोज सिर्फ भारत में नहीं पूरे विश्व में बिक रहा है और लोग पी भी रहे हैं। दूध पीकर ही आज तक कोई मरा नहीं है और दूध पीने से ही किसी का स्वास्थ्य बिगडा है ऐसा कोई प्रमाण नहीं है। दूध का उपयोग किए बिना गाय भैंस बकरी जिनकी संख्या करोड़ों में है इनका क्या होगा कौन इन्हें पालेगा। हकीकत तो यह भी है कि जो दुधारू नहीं है उन्हें तो कत्लखाने में बेच दिया जाता है। अब यदि आप दूध पीना हानिकारक है बता देंगे तो बाकी सब का भी वही हाल होगा।

जवाब: यह करोड़ो दुधारू प्राणी कतलखाने में जाकर ही मरेंगे। आज नही तो कल। जब हम सब दूध पीना छोड़ देंगे तब इन प्राणियों के दूध से मिलती रोजाना आय बंध हो जाएगी तब कोई इसे नही पालेगा। तब सभी कतलखाने अपनेआप बंध हो जाएंगे। क्योंकि एक पशु को उसके पुख्त होने तक खर्चा करके खिलाना-पिलाना और उसके बाद उसको कतल करके मांस बेचना बहुत ही महंगा पड़ेगा। तब मांस की कीमत कई गुना ज्यादा होगी।

एक गंभीर बात और...

पशुओं में puberty जन्म के बाद 3-4 सालमें आ जाती है। उनका दूध पीने से इन्सानों में भी puberty जल्दी आती है। आजकल के बच्चे उम्र से पहले पुख्त हो जाते हैं और समय से पहले विकार जाग जाता है, उसका कारण यह प्राणिजन्य दूध है। जल्दी पुख्तता आने के कारण आयुष्य भी कम हो जाता है। इन पशुओं का कुदरती आयुष्य 25 साल होता है। दूध उद्योग के कारण वे 15-17 साल ही जीते हैं। जिनका आयुष्य कम हो उनके शरीर का द्रव्य हमारे शरीरमें डालने से हमारा आयुष्य भी कम होता है।